साप्ताहिक
नर्मदा समय
Website: www.narmadasamay.com
Email: narmadasamay@gmail.com
Title Code:-MPHIN/36648
संपादक-प्रताप सिंह वर्मा
वर्षः 01, अंकः 28 | इटारसी, सोमवार 26 जून से 02 जुलाई 2023 | पृष्ठ-04 | मूल्यः 05 रुपए

महिला की ट्रेक्टर से कुचलकर कर दी हत्या, 4 लोगों पर किया धारदार हथियारों से हमला, चारों की हालत गंभीर

जमीनी विवाद को लेकर रेवामुहारी गांव में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर चले लाठी-डंडे और धारदार हथियार

शासकीय जमीन पर वर्षों से काबिज मालवीय परिवार किया हमला

नर्मदापुरम। इन दिनों जिले में आपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। दो दिन में दूसरी महिला की हत्या का मामला सामने आया है। गत दिवस पिपरिया थाना क्षेत्र के ग्राम माथनी में आदिवासी महिला की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। वहीं शनिवार को थाना क्षेत्र के ग्राम रेवा मुहारी में शनिवार को शासकीय जमीन के विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने दूसरी पक्ष की महिला पर ट्रेक्टर चढ़ाकर हत्या कर दी। वहीं चार लोगों पर लाठी, डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि रेवामुहारी गांव का मालवीय परिवार करीब तीन दशकों से छोटे घांस की जमीन पर काबिज है, जिस पर गांव का ही मेहरा परिवार लंबे समय से कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। इसी जमीन को लेकर दोनों में विवाद की स्थिति बनी थी। शनिवार सुबह 9 बजे विक्रम मेहरा, प्रमोद मेहरा, विनोद मेहरा और गुड्डू मेहरा सोनालिका ट्रेक्टर लेकर लेकर जमीन बखरने खेत पर पहुंच गये। जहां मौजूद 50 वर्षीय मायाबाई मालवीय, उनके पति भूपत सिंह मालवीय, लोचन सिंह मालवीय, बहादुर मालवीय एवं प्रेमशंकर मालवीय ने आपत्ति दर्ज कराई, जिस पर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि विक्रम मेहरा के परिजनों ने लाठी, डंडों के साथ धारदार हथियार से मृतक मायाबाई मालवीय के परिजनो पर हमला कर दिया। इसी दौरान विक्रम मेहरा ने मायाबाई पर ट्रैक्टर चढ़ाते हुए कुचल दिया, जिससे मायाबाई मालवीय की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भूपत सिंह मालवीय, लोचन सिंह मालवीय, बहादुर मालवीय एवं प्रेमशंकर मालवीय गंभीर रूप से घालय हुए है। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वहीं मृतक मायाबाई का शव पीएम के लिए भेजा गया। घटना के बाद एसडीओपी मदनमोहन समर, टीआई प्रवीण चौहान पुलिस बल के साथ तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया वहीं महिला का पीएम कराया। पुलिस ने आरोपी विक्रम मेहरा, प्रमोद मेहरा, विनोद मेहरा और गुड्डू मेहरा के खिलाफ धारा 302, 294, 323, 34 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

प्रेम प्रसंग भी बताया जा रहा कारण

घटना का एक कारण प्रेम प्रसंग भी बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार मृतका मायाबाई का लड़का आरोपी मेहरा परिवार की लड़की को लेकर कुछ दिन पहले भाग गया था। जिसको लेकर भी दोनों परिवारों में मनमुटाव चल रहा था। जिसके चलते दोनों पक्ष के बीच सामाजिक पंचायत के माध्यम से उक्त जमीन को मेहरा परिवार को देने का निर्णय हुआ था। जिसके बाद मृतका के परिवार ने आवेदन देकर प्रशासन की मदद से उक्त जमीन से फसल कटवाई थी। इसके बाद से ही दोनों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा था। पीड़ित परिवार ने मेहरा परिवार पर गांव के दबंगों का संरक्षण मिलने से खेत में कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

इनका कहना है

जमीनी विवाद पर महिला की हत्या की गई है। घटना में दोनों पक्ष के लोग घायल हुए हैं, चार लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

प्रवीण चौहान, टीआई, सोहागपुर

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर मंथन : आर एस एस ने बुलाई आवश्यक बैठक

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भोपाल में बड़ी बैठक बुलाई है। इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शीर्ष पदाधिकारी भोपाल में जुटेंगे, बताया जा रहा है कि बैठक में यूनीफॉर्म सिविल कोड पर मंथन होगा, बैठक 30 जून 2 जुलाई तक चलेगी। बैठक में संघ के थिंक टैंक कहे जाने वाले सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह कार्यवाह अरूण कुमार और सुरेश सोनी जैसे शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे। बैठक संघ के आनुषंगिक संगठन प्रज्ञा प्रवाह द्वारा बुलाई गई है।

मांगे सुझाव : भोपाल में आयोजित की जा रही इस बैठक में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की बैठकों का दौर लगातार 3 दिनों तक चलेगा, बैठक में देश भर के विषय विशेषज्ञ आमंत्रित किए गए है तीन दिन तक यह सभी इस बैठक में शामिल होंगे, गौरतलब है कि पूर्व समान नागरिक संहिता के लिए 22 वें विधि आयोग ने आम लोगों, संस्थाओं और धार्मिक संगठनों से 14 जुलाई तक सुझाव मांगे, बैठक में सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह कार्यवाह अरूण कुमार और सुरेश सोनी जैसे शीर्ष पदाधिकारी शामिल होंगे, बैठक में देश भर से करीबन 300 विषय विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया गया है।

बॉलीवुड फिल्म निर्माता बी आर मालवीय से इटारसी के एक्टर्स एवं वेब सीरीज प्रोड्यूसर ने सौजन्य भेंट की

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। बॉलीवुड फिल्म निर्माता भोलाराम मालवीय इटारसी शहर में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने इटारसी आए हुए हैं. आज खेड़ा स्थित एक्सप्रेस-11 रिसोर्ट में इटारसी के 卐पुतला रावण का卐 वेब सीरीज के अभिनेताओं एवं निर्माता द्वारा उनसे सौजन्य भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किया गया। कुमार अतुल प्रोडक्शन के अतुल शुक्ला, विलियम लॉरेंस मनीष जायसवाल एवं संजय रैकवार द्वारा उनसे सौजन्य भेंट की।

झारखण्ड में होगा इंक़लाब का सैलाब-भगत नाटक का मंचन

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। राष्ट्रीय अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली द्वारा 28 से 30 जून 2023 के दौरान कला केंद्र सैक्टर ङ्क 2, बोकारो, झारखंड में अमृत युवा कलोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

28 जून 2023 को कर्मवीर थिएटर (कर्मवीर जन शिक्षण एवं संस्कृति, समिति) नर्मदापुरम और इटारसी के कलाकारों के द्वारा शहीद भगत सिंह पर आधारित नाटक इंक़लाब का सैलाब-भगत का मंचन होगा। इस नाटक के लेखक एवं निर्देशक कर्मवीर सिंह राजपूत है। नाटक इंक़लाब का सैलाब-भगत अमर क्रांतिकारी भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत को समर्पित है। नाटक में इटारसी एवं नर्मदा पुरम के 15 प्रतिभागी रंगमंच कलाकार अंशुल दुबे, हरीश शर्मा, वर्षा यादव, कुलदीप रघुवंशी, शुभम शर्मा, गौरव झोड़े, प्रणय रोड़े, लोकेश पवार, वीरेंद्र मेवाड़े, अंकित खातरकर, बलवीर सिंह राजपूत, माधव सिंह, प्रशांत श्रीवास्तव, लक्ष्मी नारायण ओसले, कुंदन सारंग हैं।

एस एन जी स्कूल के विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति की शपथ ली

नर्मदापुरम। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर शास. ई.एफ.ए.एस. एन जी उ. मा. वि. नर्मदापुरम में एसएनजी शाला परिवार और छात्रों के बीच नशा और नशीले पदार्थों 1) दुष्परिणामों को समझाया गया शाला के शिक्षक जी एस पंवार द्वारा नशे की लत कैसे परिवार और धन की बर्बादी कर देता है बताया गया। संस्था प्राचार्य अनुपमा राय ने छात्रों को बताया कि हमारे आसपास के वातावरण को कैसे हम नशामुक्त कर सकते है इसी तारतम्य में संस्था की व्याख्याता सरिता पाल द्वारा नशा मुक्ति हेड शपथ शाला के छात्रों / शिक्षकों/कर्मचारियों द्वारा ली गई और इस दिवस पर प्रण किया गया कि मैं कभी भी नशा और नशीले पदार्थों का सेवन नही करूंगा । कार्यक्रम का संचालन सरिता पाल किया तथा आभार प्रदर्शन नीता द्विवेदी ने किया।

तूफान से मुकाबला

संपादकीय

अरब सागर में उठा चक्रवात बिपरजॉय आकर गुजर गया। इसे अब तक का सबसे लंबा तूफान माना जा रहा था। लेकिन टेनोलॉजी और सही प्रबंधन की वजह से सरकार ने जान-माल के नुकसान को करीब- करीब टाल दिया गया। आखिर चक्रवाती तूफान बिपरजॉय आकर गुजर गया। साइंस और टेनॉलजी के क्षेत्र में प्रगति और मानवीय संकल्प दोनों का कमाल कहिए कि इससे जान-माल के नुकसान को करीब-करीब टाल दिया गया। हालांकि इसके बावजूद दो लोगों की मौत होने और करीब 22 लोगों के घायल होने की सूचना है। इसके अलावा जगह-जगह पेड़ गिरने, बिजली के खंभे गिरने और उसकी वजह से आए व्यवधान की खबरें धीरे-धीरे आ रही हैं। शुक्रवार को हालांकि तूफान कमजोर पड़ते हुए डिप्रेशन में बदल गया, लेकिन इसकी वजह से गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश जरूर हुई। वायु और रेल सेवा में जो बाधा पड़ी तूफान के चलते, उसने भी बड़ी संया में लोगों को प्रभावित किया। गुजरात के तटीय क्षेत्रों में 10 से 14 मीटर तक ऊंची लहरें उठीं, उसके अपने नुकसान उन क्षेत्रों में हुए होंगे। उन सबका योरा जुटाया जा रहा है और कुछ दिनों में ऐसे तमाम नुकसानों का ठीक-ठीक अंदाजा लगाया जा सकेगा। लेकिन जिस तरह का यह तूफान था, उसे देखते हुए इन नुकसानों को साइड इफेट की ही श्रेणी में रखा जा सकता है। अरब सागर में बनते और तट की ओर बढ़ते इस तूफान पर शुरू से ही नजर रखी जा रही थी। इसकी लाइफ कुल 10 दिन 12 घंटे की बताई गई। इस कारण इसे हाल के दिनों में आया सबसे लंबा तूफान भी कहा गया। इससे पहले 2019 में आए तूफान यार की लाइफ 9 दिन 15 घंटे की थी। बहरहाल, बिपरजॉय की शक्ति और गति के सटीक आकलन के चलते सरकारों को पूर्व तैयारी का मौका मिल गया और युद्धस्तर पर प्रयास करके तटीय क्षेत्रों और निचले इलाकों से करीब 94,000 लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसके अलावा डिजैस्टर मैनेजमेंट टीमें भी जगह-जगह मुस्तैदी से तैनात रहीं। हालांकि तूफानों के मामले में पूर्व सूचना की बदौलत जान-माल के नुकसान को कम करने के प्रयास पहले भी होते रहे हैं और उनमें कामयाबी भी मिली है। इसके बावजूद बिपरजॉय से बचाव के जो उपाय किए गए, वे तारीफ के काबिल हैं। इतना ही नहीं, इससे मिले सबक आगे भी ऐसी आपदाओं से निपटने में काम आएंगे। सरकार के प्रयासों को इस लिहाज से सफल भी कहा जा सकता है कि जो दो मौतें हुई वे भी तूफान के लैंडफॉल से पहले की हैं। तूफान के गुजरात तट से टकराने के बाद से इसकी वजह से कोई मौत नहीं हुई। यह भी याद रखना चाहिए कि हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण मौसमी आपदाएं बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन के बुरे असर को कम करने के लिए भारत सहित दुनिया के ज्यादातर देशों ने संकल्प लिया है, लेकिन इस दिशा में काम ऐसी रतार से नहीं बढ़ा है, जिससे खुश हुआ जा सके। जरूरत है, विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की। इसके लिए पर्यावरण को लेकर कहीं अधिक सचेत होना होगा और उस दिशा में कोशिशें भी करनी होंगी।

डिजिटल ब्रेक क्यों हैं हम सभी के लिए ज़रूरी, आइए जानें

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

मोबाइल पास में हो तो लोग बेचैन होने लगते हैं, कई बार तो स्थितियां इतनी गंभीर हो जाती हैं जिनके चलते लोगों को सेल फोन रिहैबिलिटेशन सेंटर तक जाना पड़ता है।

डिजिटल ब्रेक का महत्व

सुबह उठे मोबाइल के अलार्म से, अखबार पढ़ा मोबाइल पर, शेयर बाज़ार की सुगबुगाहट मोबाइल पर, फोन तो आ ही रहे होंगे, कभी किसी की फोटो तो कभी दोस्तों के साथ व्हाट्सएप पर चटपट, इंसान मानो मोबाइल और घड़ी के काटों के बीच बंध कर रह गया है। न समय को रोक पा रहा है ना मोबाइल को छोड़ पा रहा है। परिणाम स्वरूप वह ना तो खुद के लिए ही समय निकाल पाता है और ना ही परिवार के लिए। इसके बाद धीरे धीरे उस इंसान की ज़िंदगी तनावग्रस्त होना शुरू हो जाती है, परिवार के बीच तनाव, पति परी के बीच तनाव और इस तनाव के चलते डिप्रेशन जैसी बेहद गंभीर स्थिति। इतना ही नहीं अत्यधिक मोबाइल के इस्तेमाल से सर्वाइकल, आंखों की खराबी, सर में भारीपन, शरीर का शिथिल हो जाना, कंसंट्रेशन की कमी आदि मुश्किलों का सामना भी करना पड़ता है।

इस सब के बाद इंसान की ज़िंदगी में सबकुछ पहले जैसा नहीं रह पाता है। मोबाइल की लत इतनी बुरी लग चुकी होती है कि इंसान चाहते हुए भी मोबाइल से दूर नहीं रह पाता है। मोबाइल पास में न हो तो लोग बेचैन होने लगते हैं, कई बार तो स्थितियां इतनी गंभीर हो जाती हैं जिनके चलते लोगों को मोबाइल रिहैबिलिटेशन सेंटर तक जाना पड़ता है। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट व अन्य वेब और ऐप मैटेरियल आपके लिए आवश्यक हो सकता है पर आपके स्वास्थ्य से ज्यादा आवश्यक कतई नहीं।

कैसे दूर करें डिजिटल एडिक्शन

डिजिटल ब्रेक इस एडिक्शक को दूर करने का सबसे सीधा और सरल उपाय है। धीरे धीरे खुद को डिजिटल उपयंत्रों से दूर करें। ऐसी चीज़ें जो आप बिना मोबाइल और इंटरनेट के कर सकते हैं उन्हें करने की कोशिश करें। धीरे धीरे करके डिजिटल ब्रेक का समय बढ़ाने की कोशिश करें। जो भी डिजिटल चीज़ें या वेब मैटेरियल आपको बांधने की कोशिश करता है उससे दूर रहने इस प्रयास करें। इसके साथ ही आप यह कुछ अन्य तरीके भी ट्राय कर सकते हैं जैसे

1. पहले से ही निर्धारित करें कि आप ऑनलाइन क्या देखना या करना चाहते हैं, चाहें तो इसकी लिस्ट बनाएं, लिस्ट में लिखे काम को निपटाएं और सीधे ऑफलाइन हो जाएं। डिस्ट्रैक्ट करने वाले ऑनलाइन मैटेरियल से बचें।

2.निजी जीवन के कामों की एक प्रायोरिटी लिस्ट बनाएं। ऑफलाइन रहते वक्त उन कामों से खुद को जोड़े और खुद को बिजी रखें। ऐसा करते में बेशक आपको कुछ परेशानी होगी लेकिन अंततः यह आपके जीवन के लिए काफी मददगार साबित होगा।

3. मोबाइल या लैपटॉप चलाते में अलग-अलग स्थानों का इस्तेमाल करने का ट्राय करें। कभी घर के लिविंग हॉल में तो कभी घर की छत पर तो कभी बाहर किसी कैफे में तो कभी किसी पार्क में। ऐसा करते मैं न केवल आप आसपास के वातावरण से जुड़े रहेंगे बल्कि उसका आनंद भी ले सकेंगे।

4. जो प्रायोरिटी लिस्ट आपने ऑफलाइन रहते समय के लिए बनाई है उसमें कुछ ब्रेनस्टॉर्मिंग गेम, पढ़ने के लिए किताबों के नाम आदि महत्वपूर्ण रूप से जोड़ें। इतना ही नहीं फिजिकल मैप सामने रखकर आप अपने लिए छुट्टियों की प्लानिंग भी कर सकते हैं। जो काम जिंदगी में करना बाकी रह गए हैं उनके लिए भी आप प्लान निर्धारित कर सकते हैं।

5. हो सकता है डिजिटल ब्रेक के बाद जब आप वापस ऑनलाइन आएं तब आपके पास कई सौ मैसेज पड़े हो। हो सकता है कई मैसेज आपसे कह रहे हो कि भाई तू ऑफलाइन क्यों था?, कई मैसेज बेहद महत्वपूर्ण भी हो सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कोई भी मैसेज ना आपके स्वास्थ से न ही आपकी जिंदगी से ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकता है।

इसलिए आपने जो डिजिटल ब्रेक का एक सिस्टम अपनी जिंदगी के लिए तैयार किया है उसको न केवल लागू करें बल्कि बेहतर तरीके से लागू करें, जिससे न तो आपके जीवन में ऑफलाइन रहने की वजह से किसी चीज की कमी आएगी और ना ही ज्यादा ऑनलाइन रहने के चलते आप किसी चीज के आदि हो पाएंगे।

झोला छाप नहीं अब ट्रेंड स्वास्थ्य कर्मियों से मिलेगा इलाज, लाइफ-लाइन इंस्टीट्यूट द्वारा

एनआईओएस ने प्रत्येक राज्य में हर साल 80 हज़ार स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने का रखा लक्ष्य

एन आई ओ एस (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग) भारत सरकार अब देश के राज्यों में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की शुरुआत एक नए सिरे से करने जा रहा हैं। पाठ्यक्रम संचालन की इसी कड़ी में इटारसी में लाइफ-लाइन इंस्टिट्यूट द्वारा यह व्यवसायिक कोर्स संचालित किया जाता है। इसके तहत स्वास्थ्य कर्मियों को इंटर्नशिप, प्रैक्टिकल, वीडियो, संपर्क कक्षाओं, ऑडियो आदि के माध्यम से प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं में पारंगत किया जाएगा। एन आई ओ एस का लक्ष्य हर साल प्रत्येक राज्य में 80 हज़ार स्वास्थ्य कर्मियों के रूप प्रशिक्षित करने का है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वह 1 वर्षीय व्यवसायिक पाठ्यक्रम सर्टिफिकेट इन कम्युनिटी हेल्थ (CCCH) करने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।

यह है योजना

ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े इलाकों में आज भी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंच पाती हैं। इस कारण लोग झोलाछाप के चक्कर में फंस जाते हैं। एनआईओएस के निर्देशन में यह योजना गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अप्रशिक्षित और कम से कम हाईस्कूल पास व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने की है।

इस पाठ्यक्रम को विशेषज्ञ चिकित्सकों और जानकारों के निर्देशन में तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम के तहत सामान्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में प्रारंभिक उपचार करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

हालांकि गंभीर परिस्थिति हो तो चिकित्सक के पास रेफर करना आवश्यक होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केवल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग जैसे कंपाउंडर, मेडिकल स्टोर चलाने वाले आदि हिस्सा ले सकते हैं। 1 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद परीक्षा उपरांत प्रमाणपत्र जारी किया जाता है।

आवश्यक योग्यता, प्रवेश योग्य वर्ग

इस 1 वर्षीय सामुदायिक स्वास्थ्य प्रमाण पत्र व्यवसायिक कोर्स करने के लिए आवश्यक योग्यता व्यक्ति को मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं उत्तीर्ण होना जरूरी हैं। भारत सरकार के सर्वे के अनुसार देश में 10-12 लाख लोग अवैध/ अनाधिकृत रूप से स्वास्थ्य सेवाएं कर रहे है, जो कानूनन दण्डनीय अपराध है।

(1) भारत सरकार व डब्लू एच ओ चाहते है कि इन गैर प्रशिक्षित अनुभवी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मियों को विधिवत प्रशिक्षण करवाया जावे ताकि उनके ज्ञान की अभिवृद्धि हो तथा सरकार के प्रावधानानुसार वैध व कानून अधिकृत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ कर सके।

(2) ऐसे छात्र-छात्राऐं, महिलाएँ, पुरूष जो स्वास्थ्य सेवाऐं करने के इच्छुक हो तथा जो लाखों रूपये खर्च कर मेडीकल की बड़ी डिग्री / डिप्लोमा नहीं कर सकते हो, वे भी इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर अभावग्रस्त क्षेत्रों में प्रशिक्षित बहुउद्देश्यीय सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (Multipurpose Community Health Facilitator / Worker) के रूप में सेवाऐं कर सकते है।

कार्यक्रम की रूपरेखा

सामुदायिक स्वास्थ्य कोर्स जिसमें निम्न कार्य सम्मिलित होते है :-

1. रोगों की रोकथाम (Preventive)
2 रोगों का उपचार (Curative)
3. स्वास्थ्य वर्धन (Promotive)

भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम ने इस पाठ्यक्रम में तीन प्रश्नपत्रों को शामिल किया हैं -

1. आधारभूत जीव विज्ञान (Basic Life Science)

2. मातृत्व एवं शिशु देखवाल एवं परिवार कल्याण, टीकाकरण सहित (Maternal & Child Health Care, Family Welfare including Immunization)

3. रोगों की रोकथाम, उपचार और आपातकालीन प्रबन्धन (Prevention & Management of Diseases & Emergency)

इनमें मेडिकल एवं हैल्थ के सभी विषयों को शामिल कर बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किया है तथा अलग से (Practical Manual) तैयार कर डॉक्टरी, विषय के सभी महत्वपूर्ण प्रायोगिक विषयों को शामिल किया है जो अद्भुत है।

कोर्स को पूरा करने पर आपको रोग उपचार का ज्ञान मिलेगा

1. मानव शरीर विज्ञान (Anatomy), शरीर क्रिया विज्ञान (Physiology) का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा।

2. स्वास्थ्य, स्वास्थ्य-विज्ञान, स्वच्छता, पोषण का ज्ञान होगा। 3. संक्रामक, असंक्रामक रोग, जीवन शैली रोगों सहित आपातकालीन स्थितियों में किये जाने वाले उपायों तथा रोगों की रोकथाम (Prevention of Diseases) का प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

4. प्राथमिक उपचार, औषधि विज्ञान तथा दवाओं के दुष्प्रभाव का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हो जायेगा।

5. परिवार नियोजन टीकाकरण व मातृ व बाल स्वास्थ्य, प्रजनन

कोर्स के पश्चात रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे

यह प्रशिक्षित लोग समुदाय में स्वास्थ्य रक्षक के रूप में कार्य कर सकेंगे तथा स्वास्थ्य जागरूकता, स्वस्थ पर्यावरण, स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य विज्ञान और आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार व उपयुक्त चिकित्सा उपलब्ध करा सकेंगे तथा कार्यकर्ताओं को अस्पतालों, नर्सिंग होम्स तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं आदि में कार्य करने के अवसर प्राप्त होगें।

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस- 24 जून पर विशेष

स्वाभिमान एवं शौर्य की प्रतीक थी दुर्गावती

ललित गर्ग

भारत का इतिहास महिला वीरांगनाओं के शौर्य, शक्ति, बलिदान, स्वाभिमान एवं प्रभावी शासन व्यवस्था के लिये दुनिया में चर्चित है। इन वीरांगणाओं ने जहां हिंदू धर्म, संस्कृति एवं विरासत को प्रभावित किया, वहीं इन्होंने संस्कृति, समाज और सभ्यता को नया मोड़ दिया है। अपने युद्ध कौशल एवं अनूठी शासन व्यवस्था से न केवल भारत के अस्तित्व एवं अस्मिता की रक्षा की बल्कि अपने कर्म, व्यवहार, सूझबूझ, स्वतंत्र सोच और बलिदान से विश्व में आदर्श प्रस्तुत किया है।

भारतीय इतिहास ऐसी महिला वीरांगनाओं की गाथाओं से भरा हैं। लेकिन उनमें से केवल रानी दुर्गावती ऐसी विलक्षण, साहसी एवं कर्मयोद्धा साम्राज्ञी हैं जिन्हें उनके बलिदान, स्वाभिमान और वीरता के साथ गोंडवाना के एक कुशल शासक के तौर पर याद किया जाता है। 24 जून को देश उनका बलिदान दिवस मनाता है जब उन्होंने मुगलों के आगे हार स्वीकार नहीं करते हुए आखिरी दम तक मुगल सेना का सामना किया और उसकी हसरतों को कभी पूरा नहीं होने दिया। महारानी दुर्गावती ने 1564 में मुगल सम्राट अकबर के सेनापति आसफ़ खान से लड़कर युद्ध-भूमि में अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक कुशल एवं प्रभावी शासन किया था।

रानी दुर्गावती का जन्म सन् 1524 में दुर्गाष्टमी पर होने के कारण ही उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही अपने तेज, साहस, शौर्य और सुंदरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गई। उनका राज्य गोंडवाना में था। महारानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। दुर्गावती को बचपन से ही तीरंदाजी, तलवारबाजी का बहुत शौक था। इनकी रूचि विशेष रूप से शेर व चीते का शिकार करने में थी। इन्हें बन्दूक का भी अच्छा खासा अभ्यास था। इन्हें वीरतापूर्ण और साहस से भरी कहानी सुनने और पढ़ने का भी बहुत शौक था। रानी ने बचपन में घुड़सवारी भी सीखी थी। रानी अपने पिता के साथ ज्यादा वक्त गुजारती थी, उनके साथ वे शिकार में भी जाती और साथ ही उन्होंने अपने पिता से राज्य के कार्य भी सीख लिए थे, और बाद में वे अपने पिता का उनके काम में हाथ भी बटाती थी। उनके पिता को भी अपनी पुत्री पर गर्व था क्योंकि रानी सर्वगुण सम्पन्न, सौन्दर्य एवं शौर्य की अद्भुत मिसाल थीं। इस तरह उनका शुरूआती जीवन बहुत ही अच्छा बीता और प्रेरणादायी था।

राजा संग्राम शाह के पुत्र दलपत शाह से उनका विवाह हुआ था। दुर्भाग्यवश विवाह के 4 वर्ष बाद ही राजा दलपतशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती का पुत्र नारायण मात्र 3 वर्ष का ही था अतः रानी ने स्वयं ही गढ़मंडला का शासन संभाल लिया। गोंड वंशजों के 4 राज्यों, गढ़मंडला, देवगढ़, चंदा और खेरला में से गढ़मंडला पर उनका अधिकार था। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केंद्र था। दुर्गावती बड़ी वीर एवं साहसी थी। उसे कभी पता चल जाता था कि अमुक स्थान पर शेर दिखाई दिया है, तो वह शस्त्र उठा तुरंत शेर का शिकार करने चल देती और जब तक उसे मार नहीं लेती, पानी भी नहीं पीती थीं। दुर्गावती के वीरतापूर्ण चरित्र को भारतीय इतिहास से इसलिए काटकर रखा गया, क्योंकि उन्होंने मुस्लिम शासकों के विरुद्ध कड़ा संघर्ष किया था और उनको अनेक बार पराजित किया था।

अकबर के कडा मानिकपुर के सूबेदार ख्वाजा अब्दुल मजीद खां ने रानी दुर्गावती के विरुद्ध अकबर को उकसाया था। रानी दुर्गावती बेहद खूबसूरत थीं और यही अकबर की सबसे बड़ी कमजोरी थी। अकबर अन्य राजपूत घरानों की विधवाओं की तरह दुर्गावती को भी रनवासे की शोभा बनाना चाहता था। बताया जाता है कि अकबर ने उन्हें एक सोने का पिंजरा भेजकर कहा था कि रानियों को महल के अंदर ही सीमित रहना चाहिए, लेकिन दुर्गावती ने ऐसा जवाब दिया कि अकबर तिलमिला उठा। लेकिन धन्य है रानी दुर्गावती का पराक्रम कि उसने अकबर के जुल्म के आगे झुकने से इंकार कर स्वतंत्रता और अस्मिता के लिए युद्ध भूमि को चुना और अनेक बार शत्रुओं को पराजित किया। अन्तिम युद्ध के दिन सुबह असफ़ खान ने बड़ी-बड़ी तोपों को तैनात किया था। इस युद्ध के समय दुर्गावती की सैन्य-शक्ति काफी कम हो गयी थी, फिर भी रानी दुर्गावती अपने हाथी सरमन पर सवार होकर लड़ाई के लिए आईं। उनका बेटा वीर नारायण भी इस लड़ाई में शामिल हुआ।

रानी ने मुगल सेना को तीन बार वापस लौटने पर मजबूर किया, किन्तु इस बार वे घायल हो चुकी थीं और एक सुरक्षित जगह पर जा पहुँचीं। इस लड़ाई में उनके बेटे वीर नारायण गंभीरता से घायल हो चुके थे, तब भी रानी ने विचलित न होते हुए अपने सैनिकों से नारायण को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने को कहा, और वे फिर से युद्ध करने लगी। एक बहादुर रानी जो मुगलों की ताकत को जानते हुए एक बार भी युद्ध करने से पीछे नहीं हठी और अंतिम साँस तक दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई लडती रहीं। यह युद्ध उन्होंने वीरता एवं साहस से लड़ा, युद्ध के दौरान पहले एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। इसके बाद तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया। अंत समय निकट जानकर रानी ने वजीर आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने सीने में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। यह ऐतिहासिक युद्ध- भारत इतिहास की एक अमरगाथा है। यह युद्ध भूमि जबलपुर के पास है, उस स्थान का नाम बरेला है। मंडला रोड पर स्थित रानी की समाधि बनी है, जहां गोण्ड जनजाति के लोग अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। रानी के ही नाम पर जबलपुर में स्थित एक विश्वविद्यालय का नाम रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय रखा गया है। इसके अलावा पुरे बुंदेलखंड में रानी दुगावती कीर्ति स्तम्भ, रानी दुर्गावती संग्रहालय एवं मेमोरियल और रानी दुगावती अभयारण्य हैं। भारत सरकार ने रानी दुर्गावती को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु 24 जून सन् 1988 में बलिदान दिवस पर एक डाक टिकिट जारी की।

रानी दुर्गावती की मृत्यु के पश्चात उनका देवर चंद्रशाह शासक बना व उसने मुगलों की अधीनता स्वीकार कर ली। सूबेदार बाजबहादुर ने भी रानी दुर्गावती पर बुरी नजर डाली थी लेकिन उसको मुंह की खानी पड़ी। दूसरी बार के युद्ध में दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। वीरांगना महारानी दुर्गावती साक्षात दुर्गा थी। महारानी ने 16 वर्ष तक राज संभाला। इस दौरान उन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाई। उन्होंने जहां हिंदू धर्म एवं संस्कृति को प्रभावित किया वहीं उन्होंने संस्कृति, समाज और सभ्यता को नया मोड़ दिया है। भारतीय इतिहास में उनके योगदान को कभी भी भूला नहीं जा सकता। इतिहास गवाह है कि रानी दुर्गावती ने अपनी बहादुरी और साहस का प्रयोग कर स्वतंत्र पहचान कायम की।

रानी दुर्गावती ने एक कुशल प्रशासक एवं साम्राज्ञी की छवि निर्मित की। उन्होंने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, शोषण एवं उत्पीड़न के खिलाफ वातावरण बनाया जिससे उनके पराक्रम और शौर्य के चर्चे सर्वत्र सुनाई देते थे। समाज में महिलाओं की स्थिति मध्ययुगीन काल के दौरान बहुत ही त्रासद एवं यौन शोषण की शिकार थी। उस समय भारत के कुछ समुदायों में सती प्रथा, बाल विवाह और विधवा पुनर्विवाह पर रोक, सामाजिक जिंदगी का एक हिस्सा बन गयी थी। भारतीय उपमहाद्वीप में मुसलमानों की जीत ने परदा प्रथा को भारतीय समाज में ला दिया। राजस्थान के राजपूतों में जौहर की प्रथा थी। भारत के कुछ हिस्सों में देवदासियां या मंदिर की महिलाओं को यौन शोषण का शिकार होना पड़ा था। बहुविवाह की प्रथा हिन्दू क्षत्रिय शासकों में व्यापक रूप से प्रचलित थी। इन सब स्थितियों से महिलाओं को मुक्ति दिलाने में दुर्गावती का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सांसद एवं भाजपा के चारों विधायकों को जमकर कोसा कांग्रेसियों ने

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भरी हुंकार, जिले के कांग्रेसी दिखें एक साथ

नर्मदा समय/ प्रदीप गुप्ता

नर्मदा पुरम। आज रविवार 25 जून को भाजपा सरकार में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर सात रास्ते पर कांग्रेस ने जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत में विकास कार्य हेतु राशि नहीं देने बाबत एवं अघोषित बिजली कटौती, फ़िल्म आदि पुरुष को बैन करने जैसे मुद्दे को लेकर एवं कांग्रेसियों द्वारा विधानसभा के चारों विधायकों पर अलग-अलग तरीके से आरोप लगाए।

सोहागपुर विधायक ठाकुर विजय पाल सिंह के क्षेत्र में हो रहे दलितों पर अत्याचार को लेकर अजय अहिरवार ने सोहागपुर विधायक को कोसा। वही सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा एवं पिपरिया विधायक प्रेमशंकर वर्मा सिर्फ कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं। विधायक नर्मदा पुरम डॉ. सीताशरण शर्मा को लेकर कहा कि न आप विधायक स्वयं डॉक्टर होकर भी अपने क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज नहीं खुलवा पाए हैं। वहीं सांसद रसूलिया ओवर ब्रिज पर फोटो सेशन कर रहे और ग्वालटोली की जनता फुट ओवर ब्रिज ना बनने से परेशान हो रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अमेरिका जाकर पूरे देश को बदनाम कर दिया, जब वहां पर उन्होंने कहा कि भारत की सड़कें अमेरिका से अच्छी हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विदेश में जब किसी पत्रकार ने प्रश्न किए तो वह जवाब नहीं दे पाए। उज्जैन में हुए महाकाल घोटाले को भी आड़े हाथों लिया गया ।

भोपाल के सतपुड़ा भवन में लगी आग को भी एक षड्यंत्र के तहत जलाया गया है जिससे कि आगे चलकर उनके भ्रष्टाचार उजागर ना हो जाए क्योंकि भाजपा सरकार को मालूम है कि अब उनका सत्ता में आना नामुमकिन है। प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किस्त अभी तक नहीं मिली है मूंग खरीदी में देरी हो रही है जिससे किसान परेशान हैं। पूरे प्रदेश में जगह-जगह शराब बिक रही है जनता की सुनने वाला कोई नहीं है और जनता परेशान हो रही है। आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता बदलाव लाएगी एवं कांग्रेस को चुनेंगी।

प्रदेश के सह प्रभारी संजय कपूर, जिला प्रभारी विधायक संजय शर्मा, महेंद्र शर्मा, पूर्व मंत्री विजय दुबे काकू भाई, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, ओम रघुवंशी, राजकुमार केलू उपाध्याय, बलबीर चौहान, अजय सैनी, फैज़ान उल हक़, जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र फौजदार, शिवराज चंद्रोल, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश शर्मा, पंकज राठौर, भूपेश थापक, कपिल यादव, कुलदीप राठौर , समीर शर्मा, जितेंद्र सोलंकी, गजानन तिवारी, सीमा श्रीवास, कृष्णा चौहान, अजय अहिरवार, हेमंत चौधरी, राकेश रघुवंशी, सत्यम तिवारी, गोल्डी बेस, मयूर जायसवाल, शैलेंद्र गोयल, चंद्रपाल मलैया, राजेश राठौर, वीनू बुधोलिया मौजूद रहे। मंच संचालन पंकज राठौर और शिवराज चंद्रोल ने किया एवं आधार अजय सैनी ने प्रकट किया । इटारसी कांग्रेस नगर अध्यक्ष मयूर मालवीय ने कांग्रेस की सदस्यता दिलाई।

राष्ट्रीय महिला जागृति मंच एवं भारतीय जैन संगठन के सदस्यों ने आरती कर पूजन एवं प्रसाद वितरण किया

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम ।श्रीमती नीरजा फौजदार ने बताया कि आज बहुत ही सुन्दर अवसर है, जिस दिन हमारे गुरूवर ने दीक्षा प्राप्त की ओर मुनिपद को सुशोभित किया। विगत 56 वर्ष पर्व संत शिरोमणि आचार्य विधासागर महाराज जी ने मुनि व्रत धारण किया। जिसको हम गुरू उपकार दिवस के रूप में मनाते है। हम युगों युगों तक ऋणी रहेगें श्रवण संस्कृति आचार्य भगवन विधासागर महाराज के। आज भगवान से यही प्रार्थना है कि गुरूदेव की साधना निरंतर निर्विध्न चलती रहे। गुरूदेव हमेशा स्वास्थ्य एवं दीर्घायु एवं सदा जयवंत रहे। नमोस्तु गुरूवर नमोस्तु गुरूवर पूजन एवं आरती में नीरजा फौजदार , शारदा जैन , अनीता अरुण जैन , रेखा गोयल , मोनिका जैन , विनीति जैन , अनीता आर . एल . जैन , रचना मस्ते , सरिता जैन , राशि जैन , रीना रत्नेश जैन , भावना जैन , राखी जैन, रीना रितेश जैन , सुनीता जैन , मंजू जैन उपस्थित रही। इस अवसर पर भगवन के चित्र की आरती एवं भजन भी गाये।

प्रयोगशाला सहायक शिक्षकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम।प्रदीप गुप्ता /समग्र शिक्षा अभियान के तहत नर्मदा पुरम जिले में गणित विज्ञान प्रयोगशाला सहायक और विज्ञान के शिक्षको का चार दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन हुआ। नर्मदापुरम जिले के 170 शिक्षकों द्वारा इस प्रशिक्षण में भाग लिया गया।

इस प्रशिक्षण का शुभारंभ 22 जून 2023 से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदा पुरम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एडीपीसी राजेश गुप्ता एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती साधना विलथरिया द्वारा चित्र पर माल्यार्पण कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। मास्टर ट्रेनर महेश विश्वकर्मा, नीरज कुमार यादव, राजीव द्विवेदी, बाबूलाल चौरे द्वारा जिले के शिक्षकों को विषय वार प्रशिक्षण दिया गया। हरवीर गौर कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा पीपीटी का प्रदर्शन कर सभी शिक्षकों को लाभान्वित किया गया। इस कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचनालय भोपाल से श्रीमती मेधा बाजपेई के द्वारा प्रयोगशाला सहायकों को अच्छे प्रयोग बताए गए और जिससे लाभान्वित होगें । सभी प्रशिक्षणार्थियों ने उनकी प्रशंसा की और श्री गुप्ता को धन्यवाद दिया कि उनके द्वारा जो भी हमें बताया गया वह बहुत लाभकारी है। मनीषा द्वारा हमें अच्छे टिप्स दिए गए। कार्यक्रम के समापन के अंत में राजेश गुप्ता एवम विनोद तिवारी द्वारा इस प्रशिक्षण की प्रशंसा कर शुभकामनायें दी गयी। आभार प्रदर्शन मास्टर ट्रेनर महेश विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

तीन होनहार बालिका वर्ग के खिलाडियों का चयन प्रशिक्षण कैंप के लिए हुआ

नर्मदापुरम। प्रदीप गुप्ता /नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के मानसेवी सचिव अनुराग मिश्रा ने बताया कि नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन की तीन होनहार खिलाडी पूर्वी वागदरे, अजीता यादव एवं वैदेही राजपूत का चयन मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन इंदौर बालिका वर्ग अंडर 15 प्रशिक्षण कैंप के लिए हुआ। यह प्रशिक्षण कैंप होलकर स्टेडियम इंदौर में आयोजित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है उल्लेखनीय है। बालिका वर्ग की टीम को गठित करने में कोच श्रीमती वर्षा पटेल का विशेष प्रयास रहा जिसका परिणाम है कि बच्चे चयनित हुए। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन की उपलब्धि पर सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया एवं अपनी शुभकामनाएं दी।

नर्मदा कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता हुई, दिया नशा मुक्ति का संदेश

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। नर्मदा कॉलेज में मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 26 जून को नशीले पदार्थों के उपयोग और अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस मनाया जाना है । जिसका उद्देश्य है कि उन प्रभावों को सशक्त करना जिसमें नशीले पदार्थों व नशीली दवाइयों से मुक्त समाज का निर्माण किया जा सके एवं नशा सेवन की समाज में बढ़ रही प्रवृत्तियों को रोका जा सके।

इसके अंतर्गत कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आज एन सी सी कैडेट्स द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर युवाओं को नशा मुक्ति अभियान के लिए प्रेरित किया गया साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने नशे से होने वाली घातक बीमारियों को प्रदर्शित किया और स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. बी सी जोशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही शराब, सिगरेट, तंबाकू और ड्रग्स जैसे घातक पदार्थों का सेवन कर नशे की चपेट में नहीं आ रही है बल्कि स्कूली बच्चे प्लेटफार्म और गरीब तबकों के किशोर भी विभिन्न प्रकार के नशे के आदी हो गए हैं। इससे ना सिर्फ उनका कैरियर और जीवन बर्बाद हो रहा है।

अपितु पूरा परिवार ही इसके दुष्परिणाम की चपेट में आता है। डॉ. कमल वाधवा ने बताया कि नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान और खतरों को रोकने के उद्देश्य से म. प्र. शासन द्वारा विभिन्न आयोजनों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रमों का निर्णय लिया गया है। इस श्रृंखला में 26 जून को अतिथि और विषय विशेषज्ञ द्वारा व्याख्यान, भाषण और वाल पेंटिंग की प्रतियोगिताएं संपन्न की जायेंगी ।

नर्मदा कॉलेज में मनाया गया विश्व हैंडबॉल दिवस

राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। नर्मदा कॉलेज में विश्व हैंडबॉल दिवस मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय के साथ राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया ।इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव के साथ अनेक जनप्रतिनिधि और जिले के सभी आला अधिकारी एवं खिलाडी मौजूद रहे।

जिला हैंडबॉल सचिव और कोच स्नेहा दुबे ने बताया कि किस तरह एक खिलाडी के साथ 2022 में हैंडबॉल की शुरुआत की गई थी। आज जिले से कई खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच कर महाविद्यालय और नर्मदा पुरम का परचम लहराया है । विगत दो वर्षों में लगभग पचास से ज्यादा खिलाडी रोज नि:शुल्क प्रशिक्षण ले रहे है। उल्लेखनीय है कि कोच स्नेहा दुबे द्वारा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत रूप से समय और मार्गदर्शन दिया जाता रहा है। इस विशेष अवसर पर सभी राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें राहुल साहू, सत्यम शर्मा, देवेन्द्र नर्रे, अरुण कस्के, पीयूष मालवीय, रुपेश पाल, शोमेश शर्मा, गंगा, अरुणी, सुहानी, अंकिता, सिल्वी, रंजना, कल्पावती और सोनम है।

आयोजन में विधायक खेल प्रतिनिधि एवं जिला हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष रोहित गौर, जिला शिक्षा खेल अधिकारी वंदना रघुवंशी, पार्षद नैना सोनी, प्रेमा पांडे और सभी खेलो के कोच बक्तावर खान , राकेश ठाकुर, वैशाली तिवारी, राजपाल चड्ढा, मेहराज अली उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों को बधाई दी और प्रोत्साहित किया।

सख्त हिदायत के बाद, बस संचालक ने करवाई बस की खामियों की पूर्ति

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदा समय

नर्मदापुरम ।आरटीओ विभाग के द्वारा लगातार चलाई जा रही जांच एवं चालानी कार्यवाई की जा रही है। जिसके बाद बस संचालकों को दी जा रही हिदायतों का असर अब जिले में संचालित बसों में देखने को मिल रहा है।

इसी क्रम में गत दिवस बस क्रमांक MP05P 0283 भौतिक रूप से सही संचालित होते हुए नही पाई जाने पर बस संचालक को 15 दिवस के अंतर्गत अपनी बस को भौतिक नियम एवं यात्रियों की सुविधाओं के परिपालन का लिखित आदेश दिया गया था। जिसके परिणामस्वरूप बस संचालक द्वारा अपनी बस को 15 दिवस के पहले ही ठीक करवाकर आरटीओ कार्यालय में जांच हेतु लाया गया। आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान ने बताया की जिले में संचालित सभी बसों को जांचा जा रहा है। जिन बसों में भौतिक अनियमितता एवं नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। उन बसों को ठीक करवाया जा रहा है एवं नियमों के पालन की चेतावनी दी जा रही है तथा जिन बसों के द्वारा नियमों का बार बार पालन नहीं किया जा रहा है, इन बसों के फिटनेस एवं परमिट निरस्त की कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा ने चलाया संपर्क से समर्थन अभियान

नर्मदा समय

नर्मदापुरम । केंद्र की नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी संपर्क से समर्थन अभियान चला रही है। शनिवार को नर्मदापुरम नगर के कोठी बाज़ार वार्ड नं 9 में संपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान वार्ड के नागरिकों बुद्धिजीवियों व्यापारी वकील व शासकीय कर्मचारियों से भेंट कर मोदी सरकार की योजनाओं के पत्रक दिए गए एवं पुन: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए समर्थन मांगा। इस अवसर पर भाजपा नगरमंत्री मनीष परदेशी ने महासंपर्क अभियान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी योजनाएं हर वर्ग के लिए वर्गों के लिए बनाई है। आज हर देशवासी को महसूस होता है कि मोदी है तो मुमकिन है। अगर हम 9 साल में इतनी दूर तक पहुंच सकते हैं तो कल्पना कीजिए कि अगले पांच साल में देश कितना आगे जा सकता है। अगले दो साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे है। इस अवसर पर पार्षद आरती बैस , मुकेश नागर , बद्री केवट , सुनीता मिश्रा , राजेश रायकवार , अमित श्रीवास्तव , आयुष कौरव , गणेश यादव सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे ने बताया कि आगामी 30 जून तक मंडल के सभी वार्डों में विशेष महा संपर्क अभियान पार्टी पदाधिकारी चलाएंगे।

थोड़ी सी बारिश में रेल्वे के बायपास पुलिया में भरा पानी

नर्मदापुरम। अभी बारिश शुरू नहीं हुई है और शहर का आलम यह है कि कई जगह पानी भर गया है। ग्वालटोली क्षेत्र को शहर से जोड़ने वाला एफ ओ बी धीमी गति से बन रहा है, जिसे देखकर नहीं लगता कि ग्वालटोली क्षेत्र के लोगों को शहर में आने वाले लोगों को जल्दी ही एफ ओ बी की सुविधा मिल पाएगी। सातरास्ता से ग्वालटोली जाने वाले रेलवे अंडर बाईपास पुलिया पर पानी भर जाता है, जिससे आने जाने वालों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब अगर ग्वालटोली तरफ से शहर में आना हो तो ओवरब्रिज से ही आना लोगों की मजबूरी हो गई है, जो कि काफी लंबा पड़ता है। ग्वालटोली से मजबूरी में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को रेलवे लाइन पार करके शहर की तरफ आना पड़ता है।

3 लाख नकदी व आभूषण चुराए

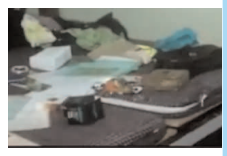

सीवनी मालवा। सिवनी मालवा नगर की व्यास कॉलोनी में शुक्रवार शनिवार की रात करीब 3 बजे एक घर में से चोरों ने लाखों रुपए के गहने एवं नकदी चुरा ली ।एक अन्य घर से भी कुछ रुपयों पर भी हाथ साफ कर लिया।व्यास कॉलोनी निवासी हर्ष रिछारिया ने बताया कि हमारे घर में रात लगभग 2 से 4 बजे के बीच खिड़की की ग्रिल तोड़ घर में गहने एवं नकदी चोरी कर लिए गए घटना के वक्त परिजन सब घर के में सोए हुए थे।चोरी करने के बाद चोर घर के दरवाजे भी बाहर से बंद कर गए जब हम सुबह उठे तो देखा कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। इसके बाद आसपास के लोगों को फोन करके बुलाया। कमरे का दरवाजा तोड़ बाहर निकले तब देखा की घर का सामान बिखरा पड़ा हुआ था।

स्वर्णकार समाज ने महिला की मृत्यु को लेकर थाना प्रभारी को दिया ज्ञापन निष्पक्ष जांच की मांग

सीवनी मालवा। सीवनी मालवा नवीन स्वर्णकार शिक्षा एवं समाज कल्याण सेवा समिति के माध्यम से सोनी समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता थाना सिवनी मालवा में इकट्ठा होकर थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला को ज्ञापन सोते हुए एवं जानकारी देते हुए बताया कि मृत्य महिला के परिवारिक सम्पर्क से संज्ञान में आया हैं कि मृतक श्रीमति शोभा बाई सोनी (विधवा) स्व. श्री हरिशंकर सोनी कुसुम महाविद्यालय सिवनी मालवा में सेवारत थी। एवं मृत्यु के दौरान भी डियूटी पर थी साथ ही जहरीला पदार्थ खाने के उपरांत भी कालेज परिसर में ही अर्थ बेहोशी के साथ होने की सूचना प्राप्त हुई ।

निम्न तथ्यों पर समाज (मृतक महिला सोनी समाज से संबंध) निष्पक्ष जाँच और परिवार को आर्थिक सहायता / महिला के स्थान पर पुत्र को रोजगार सहायता की मांग करती है।सोनी समाज यह मानती हैं कि जानकारी के आधार पर संभावनाओं से इनकार नही किया जा सकता कि महाविद्यालय प्रबंधन पूर्णत: निर्दोष है। अत एव मृतक के द्वारा परिसर में जहरीला पदार्थ खाना निश्चित ही जाँच का विषय है। जिसकी निष्पक्ष जाँच की जाना चाहिए। ताकि मृतक के परिवार को न्याय मिल सकें। महिला के मृतक होने के साथ ही महिला के परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय / भरण पोषण से वंचित हो गई है। परिवार में एक मात्र पुत्र जो महिला की आमद पर निर्भर था उसे महिला के स्थान पर रोजगार दिलाया जाना चाहिए।

निष्पक्ष जाँच मृतक की पोस्टमार्डम रिपोर्ट एवं तात्कालिक दिनांक एवं समय के सी.सी.टी.व्ही. फटेज के आधार पर जाँच निष्पक्ष हो ऐसी समाज अपेक्षा करता है।यदि सही दिशा में कार्यकारी नहीं होती है तो समाज आगे स्वर्णकार समाज आंदोलन करेगा।

बारिश में निकल सकते हैं घर के आस-पास जहरीले सर्प

नर्मदापुरम। बारिश का मोसम आ गया है इस मौसम में बदलाव और पानी के कारण कई जहरीले जीव जंतु अपने घर में आ जाते है। जब बारिश होती है तो इनके बिलों में पानी चला जाता है तो यह जहरीले जंतु बिलो से बाहर निकल आते है। अगर आपके घर की आसपास सांप , गोहटा, गोगो, कबर बिज्जू दिखें तो उनसे घबराएं नहीं एवं ना ही इन्हें मारे। बस तुरंत सर्पमित्र उदय सराठे को उनके मो. न. 74891 12900 पर फ़ोन कर बुला सकते हैं । बता दें कि सर्पमित्र उदय सराठे ने अभी तक कई सर्प का रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा है।

ओझा बस्ती के बच्चे कलेक्टर से बोले, सर हम भी आपकी तरह कलेक्टर बनना चाहते हैं

नर्मदापुरम। ओझा बस्ती इटारसी में पहुंचे शुक्रवार सुबह कलेक्टर नीरज कुमार सिंह अपने पूरे अमले के साथ। ज्ञात हो कि विगत 7-8 सालों से सामाजिक कार्यकर्ता सुमन सिंह के द्वारा ओझा बस्ती की हर समस्या के समाधान हेतु सतत कार्य किया जाता रहा है। इसी श्रंखला में ओझा बस्ती के बच्चों की शिक्षा को लेकर जो स्तर दिन व दिन गिरता जा रहा था उसको सही करने के उद्देश्य से सुमन सिंह द्वारा कलेक्टर से निवेदन किया गया था, कि वो एक बार ओझा बस्ती का निरीक्षण करें। ताकि उनके सहयोग से वहां पर शिक्षा के स्तर को ठीक करने में मदद मिल सके, कलेक्टर श्री सिंह जब बस्ती पहुंचे। तब सभी परिवार उनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनको अपनी समस्याओं के समाधान हेतु कलेक्टर से बहुत उम्मीदे थी। सबसे पहले कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों से उनकी शिक्षा को लेकर भीड़ से अलग ले जाकर बातचीत की। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वह स्कूल जाते हैं या नहीं, ज्यादातर बच्चों का जवाब ना में था, उन्होंने बताया कि वो अपने घर खर्च के लिए पन्नी बीनने का काम करने चले जाते है और गंदे कपड़े पहने होने के कारण स्कूल मे टीचर्स अच्छा व्यवहार नही करते, इसलिए जाने की इक्षा नही होती। फिर उन्होंने पूछा पढ़ाई करने से क्या फायदा होता है, तब बच्चों ने बताया कि पढ़ लिख हम आपकी तरह कलेक्टर भी बन सकते हैं। उनकी इस बात के समर्थन में कलेक्टर ने बच्चों को रोज स्कूल जाने और हॉस्टल में रहकर पढ़ने हेतु प्रेरित किया। क्योंकि बस्ती का वातावरण पढ़ाई योग्य नहीं लगा। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की कहानी सुनाई साथ ही शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उनके हॉस्टल एडमिशन के लिए निर्देशित किया। बाल कल्याण सुमन सिंह ने बताया कि उनके द्वारा ज्यादातर बच्चों के डॉक्यूमेंट तैयार हैं और बाकी के सबके सहयोग से पूरे कर लिए जाएंगे।

अंतिम छोर तक के व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पहुंचे इसके लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य में जुटी हुई है भाजपा: हरिशंकर खटीक

भाजपा सरकार गरीबों को विकास की मुख्यधारा में लाने हेतु पूर्ण संकल्पित होकर कार्य कर रही है: अमित नुना

की प्रेस वार्ता, गिनाई भाजपा सरकार की उपलब्धियां

नर्मदा समय

टीकमगढ़ । भाजापा ने शनिवार 24 जून 2023 को जिला मुख्यालय के स्थानीय विश्राम भवन में एक प्रेस वार्ता की इस प्रेस वार्ता को मुख्य रूप से जतारा विधायक हरि शंकर खटीक और भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना ने संबोधित किया। इस मौके पर भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल द्विवेदी पम्मू एवं भाजपा युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी स्वप्निल तिवारी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मुन्ना लाल साहू मौजूद रहे वहीं प्रेस वार्ता के दौरान प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तमाम पत्रकार साथी गण भी मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जतारा विधायक हरिशंकर खटीक ने कहा कि भाजपा सरकार के सफलतम 09 वर्ष पूर्ण होने पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब- वंचित - दलित की जन हितेषी सरकार है, इनके कल्याण के लिए भाजपा सरकार में सैकड़ों योजनाएं चलाई जा रही है, और धरातल पर इन योजनाओं का लाभ सीधे तौर पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है। भाजपा पार्टी की सरकार गरीबों के कल्याण के लिए उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए पूर्ण संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

वहीं मुख्य रूप से पधारे भाजपा प्रदेश महामंत्री व जतारा विधायक हरिशंकर खटीक ने भाजपा पार्टी की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया भाजपा पार्टी की लाडली बहना योजनाओं से सवा करोड़ से अधिक महिलाएं प्रतिमाह 1000 रुपए की राशि प्राप्त कर इस योजना का लाभ उठा रही है, और जो महिलाएं इस योजना से वंचित रह गई है उनके लिए फिर से पोर्टल खोला जाएगा, उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया विधानसभा सत्र के दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज की पुर जोर से जिले के लिए मांग रखी है, जल्द ही टीकमगढ़ जिले को मेडिकल कॉलेज मिलेगा, और मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में भी मेडिकल कॉलेज की शुरुआत होगी। अधिमान पत्रकारों के लिए भी मध्य प्रदेश सरकार उन्हें राहत देने के लिए योजनाओं पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि को भी बढ़ाकर 6000 रुपए कर दिया गया है, जिससे किसानभाई अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठा रहे है। उन्होंने बताया कि कमलनाथ सरकार धोखाधड़ी की सरकार थी इसलिए जनता के साथ केवल धोखा किया, 10 दिन में 2 लाख तक का किसान कर्ज माफी का वादा किया लेकिन असल में वह वादा झूठा था, युवाओं को 4 हजार महीना बेरोजगारी भत्ते का झांसा दिया, गेहूं पर बोनस ,फसल बीमा, किसान समृद्धि निधि को भी इनकार किया, सड़क ,सिंचाई, नाली ,खरजे के सारे काम रोके, गरीबों का सहारा बनी संबल योजना को तहस-नहस किया, गरीबों के लिए स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना के ढाई लाख आवास लौटाए, मेधावी छात्र योजना के स्मार्टफोन ,लैपटॉप सब बंद कर दिए, विकास किया तो सिर्फ अपने घर का, पंचायतों के विकास का पैसा रोक दिया,

भारिया, सहरिया, बैगा श्रमिकों के हजार रुपए महीने भी डकार लिए और तो और पंचायतों में गौशाला के नाम पर झूठ बोला। उन्होंने कांग्रेस के घोटाले गिनाते हुए बताया कि 1987 में बोफोर्स तोप घोटाला 960 करोड़, 1992 में शेयर घोटाला 5000 करोड़, 1998 में टीक पौध घोटाला 8,000 करोड़, 2008 में सत्यम घोटाला 8,000 करोड़, 2010 में आदर्श घर घोटाला 900 करोड़, 2011 में कॉमनवेल्थ घोटाला 70,000 करोड़ ऐसे घोटाले सैकड़ों है जो कांग्रेस सरकार में हुए और जिसमें कांग्रेस के नेताओं की मिलीभगत थी।

उन्होंने बताया कि जिले में लाडली लक्ष्मी योजना के कुल हितग्राहियों की संख्या 70,208, लाडली बहना योजना के हितग्राहियों की संख्या 202383, आवंटित राशि 19.09 करोड़ थी। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना एवं प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना जिसमें कुल लाभान्वित हितग्राही 157583 व 158968 थे, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना एवं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में 203.59 व 1076.62 किलोमीटर लंबाई की थी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में कुल लाभांवित हितग्राहियों की संख्या 53381 है, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में कुल लाभांवित हितग्राहियों की संख्या 15598 व कुल वितरित राशि 263 करोड़ रुपए है। खाद्यान पात्रता पर्ची में कुल लाभान्वित परिवार 212254 व कुल लाभान्वित हितग्राही 869085 है।

उन्होंने बताया कि जिले में विकासखंड स्तर पर सीएम राइस स्कूलों की संख्या 4 है और रोजगार मेलों से हित लाभ प्राप्त लाभार्थियों की संख्या 2971 है, कुल आयुष्मान कार्ड की संख्या 47 5709 है योजना अंतर्गत कुल उपचार की संख्या 20 286 व स्वीकृत राशि 35.94 करोड़ है। किसान ब्याज माफी की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 11004 किसानों की 14.78 करोड़ में राशि है। कुलमुनि जल जीवन मिशन से कुल लाभान्वित ग्रामों की संख्या 88 बताई व जिसमें लाभान्वित परिवारों की संख्या 72 5682 है, सिंचाई के क्षेत्र में बुंदेलखंड क्षेत्र में सैकड़ों परियोजनाएं भाजपा सरकार ने चला रखी है जिसमें परियोजनाओं की संख्या 107 है जिसमें सिंचित रकबा 1017 64 हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी की सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती है और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करती है, उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार निरंतर जनता के हितों का ध्यान रखते हुए योजनाओं का लाभ सीधे अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुंच सके इसके लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य में जुटी हुई। उल्लेखनीय है कि यह प्रेस वार्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष सफलतम कार्यक्रम को लेकर की गई जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश शासन के मुखिया शिवराज सिंह चौहान की तमाम जन हितेषी योजनाएं इस दौरान गिनाई गईं।

डीपी में करंट आने के कारण गाय की मौत ग्रामीण कई दिनों से विद्युत विभाग को दे रहे थे जानकारी विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही

संवाददाता अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। जिला नर्मदा पुराण तहसील सिवनी मालवा के ग्राम भैरोपुर में रोड पर बनी डीपी में करंट आने के कारण एक गाय की मौत हो गई सरपंच एवं ग्रामीण उन लोगों ने विद्युत विभाग को जानकारी दी एवं ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत दिनों से डीपी के तार खुले एवं डी पी के तार टूटे होने की एवं डीपी में करंट होने की जानकारी लगातार सरपंच एवं ग्रामीणों के द्वारा की जा रही थी सरपंच ने जानकारी देते हुए बताया कि डीपी की शिकायत लिखित भी दी गई थी लेकिन विद्युत विभाग के आला अधिकारियों के द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई जिसके कारण आज एक किसान अपने खेत से घर की ओर लौट रहा था तभी गाय डी, पी, के पास में गई एवं करंट लगने से उसकी मौत हो गई ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि बड़ा हादसा नहीं हुआ डीपी के पास से ही ग्राम में जाने के लिए मुख्य रोड एवं शासकीय भवन बने हुए हैं जहां ग्रामीणों का आना जाना बना रहता है गाय की मौत के बाद में तुरंत सरपंच एवं ग्रामीण लोग विद्युत विभाग आय एवं इसकी सूचना आला अधिकारी को दी एवं शीघ्र से शीघ्र डीपी की मरम्मत करने की मांग भी की गई ताकि ग्रामीणों के साथ में कोई बड़ा हादसा ना हो।

शासकीय कन्या शाला हाई स्कूल बानापुरा का खेल मैदान बनकर तैयार नपा अध्यक्ष की सराहनीय पहल

संवाददाता अरुण कश्यप

बानापुरा। सिवनी मालवा की उप नगरी बानापुरा मैं बने शासकीय कन्या शाला हाई स्कूल बानापुरा का खेल मैदान बच्चों के लिए खेलने के लिए बन कर तैयार कर दिया गया है नपा अध्यक्ष रितेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बानापुरा कन्या शाला हाई स्कूल में बच्चियों एवं वार्ड वासियों के बच्चों के खेलने का मैदान जर्जर हालत में था एवं बड़े-बड़े गड्ढे खेल मैदान ठीक नहीं होने के कारण बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने बच्चों के खेलने का मैदान शीघ्र से शीघ्र बनाने का जो वादा किया था उसे बरसात से पहले ही बना कर तैयार कर दिया गया है जिससे कि प्रतिभाशाली खिलाड़ी अब इस मैदान में खेल सकते हैं एवं अपने खेलों का अभ्यास भी कर सकते हैं वही वार्ड पार्षद पति प्रदीप अग्रवाल एवं शासकीय कन्या प्राचार्य मनित दुबे ने भी जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन से खेल मैदान एवं स्कूल भवन निर्माण के लिए कहां गया था प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूली बच्चों के लिए खेल मैदान बनकर तैयार करा दिया गया है जिससे कि बच्चे खेल मैदान में अपना खेल अभ्यास एवं स्कूली कार्यक्रम करने के लिए मैदान नहीं था नपा अध्यक्ष की सराहनीय पहल से तैयार किया गया है एवं शाला प्राचार्य शिक्षक एवं बच्चों ने नपा अध्यक्ष रितेश जैन को सराहनीय पहल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया नपा अध्यक्ष रितेश जैन के द्वारा स्कूली अधूरे कार्य को भी शीघ्र से शीघ्र किया जाएगा वहीं वार्ड पार्षद पति प्रदीप अग्रवाल ने भी जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 2 के जितने भी अधूरे कार्य बचे हुए हैं उन्हें शीघ्र से शीघ्र पूरा किया जाएगा अभी वार्ड नंबर 2 में नाली एवं सड़क निर्माण एवं शॉपिंग कांप्लेक्स ओं की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है एवं बानापुरा का उप अस्पताल संजीवनी बनकर तैयार हो गया है एवं वार्ड नंबर 2 के बचे कार्य शीघ्र से शीघ्र किए जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी ने जिला अस्पताल चौराहे पर दिया धरना सत्ता पक्ष पर लगाए तमाम आरोप जमकर बरसे कांग्रेसी

नर्मदा समय

टीकमगढ़। नगर के स्थानीय जिला अस्पताल चौराहे पर शनिवार 24 जून 2023 को जिला कांग्रेस महिला कांग्रेस एवं ब्लॉक कांग्रेस सभी ने संयुक्त रूप से धरना दिया और भाजपा की सरकार को धरने के दौरान जमकर कोसा।

इस मौके पर मुख्य रूप से धरने में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री दादा यादवेंद्र सिंह बुंदेला वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सूर्य प्रकाश मिश्रा दद्दी कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र अध्वर्यु कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नवीन साहू टीकमगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार पप्पू मलिक प्रदेश स्तरीय कांग्रेस नेत्री श्रीमती किरण अहिरवार युवा नेता पंकज अहिरवार महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती रजनी पूनम जायसवाल सहित कांग्रेसी नेता संजय नायक ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर इसरार मोहम्मद युवा नेता अरविंद खटीक राजू दांगी कांग्रेसी युवा नेता अभय भदौरा रिंकू कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक अहिरवार महिला कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष श्वेता अहिरवार नगर अध्यक्ष भगत राम भइंयन यादव किसान कांग्रेसी नेता नवाब खान आरआर बंसल महेंद्र सिंह जसवंतनगर किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विभोर पांडे श्रीमती राम कुमारी द्विवेदी नीरजा द्विवेदी लक्ष्मण रैकवार प्रभात पुरोहित सहित तमाम कांग्रेसी पदाधिकारी और कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

जहां जिला अस्पताल चौराहे पर कांग्रेसियों ने धरना दिया और भाजपा सरकार पर जमकर बरसे इस दौरान वक्ताओं ने बारी-बारी से भाजपा सरकार पर तमाम आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार की कमियां गिनाई । धरने के दौरान कांग्रेसियों ने कहा कि सतपुड़ा भवन में लगी आग की जांच निष्पक्ष हो अगर टीकमगढ़ में भाजपा ने सीएमओ को बदला है तो हम आने वाले समय में सीएम बदल देंगे इस तरह की भाषण बाजी धरने के दौरान की गई और तमाम बिंदुओं को लेकर एक ज्ञापन भी महामहिम राज्यपाल के नाम टीकमगढ़ तहसीलदार आरपी तिवारी को कांग्रेसियों ने सौंपा।

जब प्रेस ने धरने के दौरान पूर्व मंत्री दादा यादवेंद्र सिंह बुंदेला से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल भ्रष्टाचार और घोटाले कर रही है जहां अब भाजपा के घोटाले जनता के सामने उजागर हो रहे हैं महा लोक का घोटाला और ओरछा के जामनी नदी पर बने करोड़ों के पुल में दरार आने की बात जब प्रेश ने दादा यादवेंद्र सिंह से पूछी तो उन्होंने कहा कि भाजपा के घोटाले अब जनता के सामने आ चुके हैं और जनता अब आगामी समय में उन्हें जवाब देगी और भी दादा यादवेंद्र सिंह ने तमाम आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेसियों ने यह धरना प्रदेश कांग्रेस के आदेश निर्देशानुसार किया।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने पहुँच की शोक संवेदना प्रकट

फिर पहुचे ग्राम सरपंच कलवानिया के निज निवास पर

कुलदीप राजपूत

हरदा। करीबी ग्राम गोदा गांव कला में शनिवार को कृषि मंत्री कमल पटेल रानू रांडू निवासी राम शंकर किरण रांडू के पिताजी भगत राम रान्डू स्वर्गवास हो गया था जिसकी शोक संवेदना करने पहुँचे। वहां से ग्राम पंचायत सरपंच राकेश कल बनिया के निज निवास पर पहुंचे जहां पर पटेल ने सरपंच से मुलाकात करते हुए कहा कि गांव का हर संभव विकास करना है। सरपंच राकेश कलवानिया ने बताया कि ग्रामीणों को आना जाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ता था जिसको लेकर मंत्री जीने अहलवाड़ा से गोदागाव कला से गोंदा गांव कला से सन्यासा तक का रोड से सेंशन कर दिया है जोकि मंडी निधि से बनना है 10 किलोमीटर का है जिसकी लागत 16 करोड़ रुपये है। किसानों की मूंग खरीदी को लेकर कहा कि किसानों का मूंग का दाना 1- 1 खरीदा जाएगा और कोई समस्या किसानों को होती है तो मुझे तुरंत कॉल करें इस दौरान रामविलास चाचरे, हरिनारायण सिल्लू ,घनशाम खेरवा, मोहन लाल कलवानिया इत्यादि।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, जोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नो :- सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं.:-7974372722